वर्ष 15 • अंक 77 • 8 पृष्ठ • मूल्य 5 रुपये

बुधवार 18 मई 2022

कोलकाता, चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, **मुंबई** और लखनऊ से प्रकाशित।

भारत का पहला संपूर्ण हिंदी आर्थिक अखबार

बिज़नेस स्टैंडर्ड

www.bshindi.com

▶▶ पृष्ठ 8

कमजोर रुपये से कंपनियों की बढ़ीं मुश्किलें

मुकेश अंबानी ▶▶ पृष्ठ 2

अंबानी महीने के अंत तक सौंपेंगे बूट्स के लिए बोली

डॉलर रु. 77.60 अपरिवर्तित | यूरो रु. 81.30 ▲ 20 पैसे | सोना (10 ग्राम) रु 50390 ▲ 286 रु. | सेंसेक्स 54318.50 ▲ 1344.6 | निफ्टी 16259.3 ▲ 417.0 | निफ्टी फ्यूचर्स 16255.0 ▼ 4.3 | ब्रेंट क्रूड 114.80 डॉलर ▼ 0.10 डॉलर

एक नज़र

एयरटेल का शुद्ध लाभ तीन गुना हुआ

भारती एयरटेल का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 22 की चौथी तिमाही में करीब तीन गुना होकर 2008 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसे शुल्क में बढ़ोतरी और असाधारण आय से सहारा मिला। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 759 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही में कंपनी का एकीकृत राजस्व सालाना आधार पर 22.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 31,500 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पृष्ठ 2

5जी का होगा 450 अरब डॉलर का योगदान : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5जी सेवा की तेजी से शुरुआत करने के लिए सरकार और उद्योग के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का आह्वान किया है क्योंकि अगले डेढ़ दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका 450 अरब डॉलर का योगदान होगा। उन्होंने मंगलवार को कहा कि देश को इस दशक के अंत तक 6जी सेवा की शुरुआत के लिए तैयार रहना चाहिए और इसे लागू करने के लिए एक कार्यबल का गठन किया गया है। मोदी भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। पृष्ठ 4

पूरी बीपीसीएल नहीं एक हिस्सा बेचने पर विचार

केंद्र सरकार रिफाइनिंग कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड को पूरी तरह बेचने के लिए खरीदार तलाशने में नाकाम रहने के बाद इसकी एक-चौथाई हिस्सेदारी बेचने के बारे में विचार कर रही है क्योंकि सरकार का विनिवेश कार्यक्रम उम्मीद से सुस्त रफ्तार से चल रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार बीपीसीएल में अपनी समूची 52.98 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के बजाय 20 से 25 फीसदी हिस्सेदारी के लिए बोलियां मंगाने पर विचार कर रही है।

आज का सवाल

क्या आरबीआई की मौद्रिक सख्ती से नियंत्रित होगी महंगाई

www.bshindi.com **पर राय भेजें।**
आप अपना जवाब एसएमएस भी कर सकते हैं। यदि आपका जवाब हां है तो **BSP Y** और यदि न है तो **BSP N** लिखकर **57007** पर भेजें।

पिछले सवाल का नतीजा

क्या डिजिटल सौदों को सीसीआई के दायरे में लाना होगा सही?	हां	75.00%
	नहीं	25.00%

आते ही 8 फीसदी गिरा एलआईसी

कंपनी का शेयर पहले दिन बंद हुआ 873 रुपये पर, आईपीओ की कीमत थी 949 रुपये

सुब्रत पांडा और समी मोडक
मुंबई, 17 मई

एमकैप में पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी बनी

- एलआईसी 5.54 लाख करोड़ रुपये के एमकैप के साथ देश की पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी बनी
- पहले दिन करीब 4,600 करोड़ रुपये के शेयरों का लेनदेन हुआ
- आईपीओ में आवेदन करने वाले ज्यादातर खुदरा निवेशक बने हुए हैं कंपनी के साथ
- एलआईसी के आईपीओ को मिला था 2.95 गुना अभिदान

शेयर की होगी लिवाली

एलआईसी के चेयरपर्सन **एमआर कुमार** ने **सुब्रत पांडा** को दिए साक्षात्कार में बीमा दिग्गज की सूचीबद्धता, प्रॉडक्ट्स व वितरण रणनीति को लेकर योजना और लाभ में इजाफा करने के इरादे आदि के बारे में विस्तार से बातचीत की।

(साक्षात्कार पृष्ठ 3 पर)

एमआर कुमार
चेयरमैन, एलआईसी

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर बाजार में पहले ही दिन अपनी निर्गम कीमत के मुकाबले 8 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। कंपनी का शेयर 873 रुपये पर बंद हुआ, जबकि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में कीमत 949 रुपये प्रति शेयर रखी गई थी। आज के बंद भाव के हिसाब से एलआईसी का मूल्यांकन 5,53,722 करोड़ रुपये (5.54 लाख करोड़ रुपये) है। इस तरह बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह देश की पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। एलआईसी अब इन्फोसिस (6.39 लाख करोड़ रुपये) से पीछे और आईसीआईसीआई बैंक (5.28 लाख करोड़ रुपये) से आगे है।

आज के कारोबारी सत्र में इस दिग्गज बीमा कंपनी का शेयर लुढ़ककर 860 रुपये तक गया और 920 रुपये तक चढ़ा। शेयर अपनी निर्गम कीमत के नजदीक नहीं आया मगर 920 रुपये के भाव पर छोटे निवेशकों को मामूली मुनाफा कमाकर निकले का मौका मिला था। खुदरा निवेशकों ने आईपीओ में 10,839 करोड़ रुपये के शेयरों की बोली लगाई थी। उन्हें 905 रुपये पर शेयर आवंटित किए गए थे। एलआईसी के पॉलिसीधारकों ने 10,669 करोड़ रुपये के शेयरों के लिए बोली लगाई थी, जिन्हें 889 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर शेयर आवंटित किए गए थे।

पहले दिन करीब 4,600 करोड़ रुपये के शेयरों का लेनदेन हुआ। इससे पता चलता है कि आईपीओ में आवेदन करने वाले ज्यादातर खुदरा निवेशक अपना निवेश बनाए हुए हैं। आईपीओ में रिकॉर्ड 73 लाख आवेदन आए थे। रद्द हुए आवेदनों को हटाने के बाद 61.3 लाख आवेदकों को शेयर आवंटित किए गए, जो घरेलू बाजार में किसी आईपीओ के लिए सबसे अधिक हैं। कुछ अधिकारियों का दावा है कि यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर भी सबसे अधिक है। बहरहाल उनमें से ज्यादातर के लिए अनुभव कड़वा रहा होगा क्योंकि सूचीबद्ध होते समय कीमत लाखों निवेशकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। इन निवेशकों में से बहुत से ऐसे भी हैं, जो आम तौर पर शेयर बाजार में निवेश पसंद नहीं करते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)
(संबंधित खबरें पृष्ठ 3)

रिकॉर्ड 15.8 फीसदी पर थोक महंगाई

असित रंजन मिश्र
नई दिल्ली, 17 मई

- जिंसों और सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी का थोक महंगाई पर पड़ा असर
- सब्जियों की महंगाई अप्रैल में बढ़कर 23.24 फीसदी रही
- पिछले साल के इसी महीने में 10.74 फीसदी के ऊंचे आधार के बावजूद बढ़ोतरी होना चिंता की बात

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई क्योंकि जिंसों और सब्जियों के दाम में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। थोक महंगाई अप्रैल में 15.08 फीसदी रही जो मौजूदा 2011-12 शृंखला में अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। चिंता की बात इसलिए ज्यादा है क्योंकि पिछले साल अप्रैल में महंगाई दर 10.74 फीसदी थी और उस पर इतनी अधिक वृद्धि हो गई है। थोक महंगाई दर लगातार 13 महीनों से दो अंकों में बनी हुई है।

उद्योग विभाग द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों की महंगाई अप्रैल में बढ़कर 23.24 फीसदी रही। इससे गेहूं की कीमतों में नरमी आने के बावजूद खाद्य महंगाई 8.35 फीसदी रही। हालांकि अप्रैल में खाद्य तेल की महंगाई मार्च के मुकाबले मामूली गिरकर 15.05 फीसदी पर आ गई, लेकिन लगातार 29 महीनों से दो अंकों में बनी हुई है। मुख्य महंगाई मामूली बढ़ोतरी के साथ चार महीने के उच्च स्तर 11.1 फीसदी पर रही। मुख्य महंगाई में अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली खाद्य और ईंधन महंगाई को शामिल नहीं किया जाता है। ईंधन की महंगाई आलोच्य महीने के दौरान बढ़कर 38.66 फीसदी रही, जबकि विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति बढ़कर 10.85 फीसदी पर पहुंच गई।

इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च में मुख्य अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि विनिर्माता इनपुट लागत के दबाव को ग्राहकों पर डाल रहे हैं, जिससे विनिर्मित उत्पादों में महंगाई ऊंची रही है। उन्होंने कहा, 'हालांकि यह रुझान रूस-यूक्रेन युद्ध से काफी पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन यह इनपुट लागत में और बढ़ोतरी, खास तौर पर कच्चे तेल और कच्चे माल की लागतों में बढ़ोतरी से ज्यादा तेज हो गया। इस युद्ध के जल्द खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रह हैं, इसलिए वैश्विक आपूर्ति शृंखला में पैदा अवरोधों और अनिश्चितता का घरेलू थोक महंगाई पर दबाव बना रहेगा।'

मई की गिरावट से उबरे बाजार

बीएस संवाददाता
मुंबई, 17 मई

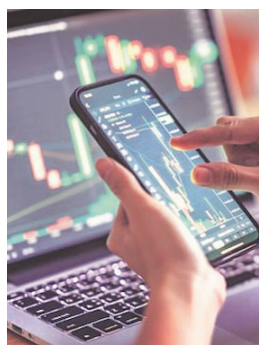

सेंसेक्स, निफ्टी में 2022 की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

इस महीने काफी बड़ी गिरावट के बाद आज वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझान देखकर देसी बेंचमार्क सूचकांकों ने साल की बड़ी बढ़त दर्ज की। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने शांघाई में लॉकडाउन में ढील दी है और इंटरनेट कंपनियों को सहयोग देने की बात एक बार फिर कही है, जिससे निवेशकों का हौसला बढ़ता दिख रहा है।

सेंसेक्स 1,344 अंक या 2.54 फीसदी चढ़कर 54,318 पर बंद हुआ और जबकि निफ्टी50 सूचकांक 417 अंक या 2.63 फीसदी बढ़त के साथ 16,259 पर बंद हुआ। इस साल 15 फरवरी के बाद पहली बाद ये दोनों सूचकांक एक दिन में इतना चढ़े हैं। सूचकांक 15 फरवरी को 3 फीसदी से अधिक चढ़े थे। भारतीय बाजार इस महीने करीब 8 फीसदी गिर गए थे क्योंकि निवेशक मुद्रास्फीति के कारण मंदी आने की चिंता के कारण जोखिम वाली परिसंपत्तियों से बाहर निकल गए। आज की बढ़त के बावजूद बेंचमार्क सूचकांक इस महीने अब तक करीब 5 फीसदी नीचे हैं।

महंगाई के दबाव को खत्म करने के लिए आक्रामक तरीके से मौद्रिक नीति को सख्त बनाने के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले, चीन के कोविड से निपटने के सख्त तरीके और चीन तथा रूस एवं यूक्रेन युद्ध की वजह से आपूर्ति शृंखला में अवरोधों से जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वैश्विक वृद्धि में मंदी की चिंताएं पैदा हुई हैं।

आज शेयर इसलिए उछल पड़े क्योंकि चीन के वित्तीय केंद्र शांघाई में लगातार तीसरे दिन नए स्थानीय वायरस का कोई मामला नहीं आया है। इससे उम्मीद बंधी है कि चीन की सरकार सख्त लॉकडाउन में ढील देगी।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर 77.56 प्रति डॉलर पर बंद

मजबूत डॉलर और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया मंगलवार को अब तक सबसे निचले स्तर को छू गया। यह 77.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया 77.70 प्रति डॉलर पर खुला और दिन के सबसे निचले स्तर 77.80 प्रति डॉलर तक लुढ़का। बाद में 77.56 प्रति डॉलर यानी पिछले बंद स्तर 77.45 प्रति डॉलर से 0.15 फीसदी फिसलकर बंद हुआ।

बाजार भागीदारों ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने मुद्रा बाजार में दखल दिया, जिससे मुद्रा के अवमूल्यन की रफ्तार कम हुई। *बीएस*

आज़ादी का अमृत महोत्सव
www.bankofbaroda.in
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारकों को नोटिस

बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 10बी के अनुसरण में **बैंक के शेयरों पर वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान घोषित किए गए अदावी/ अदत्त लाभांश निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ़) को अंतरित करने हेतु निम्नानुसार देय हो रहे हैं:**

बैंक	वित्त वर्ष 2014-15 के अदत्त लाभांश के अंतरण हेतु नियत तारीख
बैंक ऑफ़ बड़ौदा	29 जुलाई 2022
ई-देना बैंक*	01 अगस्त 2022
ई-विजया बैंक*	27 जुलाई 2022

*दिनांक 01.04.2019 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ समामेलित

बैंक अपने शेयरधारकों को नियमित रूप से नोटिस/ संप्रेषणों के माध्यम से उनके अदत्त लाभांश का दावा करने और अपनी भौतिक शेयरधारिता को डीमैट में परिवर्तित करने के लिए अनुरोध करता रहा है.

हम पुनः बैंक के शेयरधारकों, जिन्होंने वर्ष 2014-15 और उसके बाद से अपने लाभांश के लिए दावा नहीं किया है, से अनुरोध करते हैं कि आईइपीएफ को अंतरण की नियत तारीख से पहले अपने दावे हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट (आरटीए) को मेसर्स केफिन टेक्नोलॉजी लि. (यूनिट: बैंक ऑफ़ बड़ौदा), सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं 31 और 32, गाचीबोवली, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा, सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद-500032, टेली: 1-800-309-4001, ई-मेल einward.ris@kfintech.com या investorservices@bankofbaroda.com पर प्रस्तुत करें ताकि उनके दावों का निर्धारित समय-सीमा में निपटान/ भुगतान किया जा सके.

शेयर प्रमाणपत्र धारक शेयरधारकों से पुनः अनुरोध है कि अपने शेयर प्रमाणपत्रों को तत्काल डीमैटरलाइज़ करें. सेबी के परिपत्र सं. सेबी/एचओ/एमआईआरएसडी_आरटीएएमबी/पी/सीआईआर/2022/8 दिनांक 25 जनवरी, 2022 के अनुसार दिनांक 25 जनवरी, 2022 से शेयरधारकों द्वारा धारित शेयर प्रमाणपत्रों में कोई ट्रांसफर, ट्रांसमिशन, ट्रांसपोजीशन, डुप्लिकेट शेयर प्रमाण पत्र जारी करना आदि तब तक प्रभावी नहीं किया जाएगा जब तक कि वह डीमैट के रूप में न हो.

शेयरधारकों से यह भी अनुरोध है कि सेबी के परिपत्र सं. सेबी/ एचओ/ एमआईआरएसडी/ एमआई आरएसडी/आरटीएएमबी/पी/सीआईआर/2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 और परिपत्र सं. सेबी/ एचओ/एमआईआरएसडी/एमआईआरएसडीआरटीएएमबी/पी/सीआईआर/2021/687 दिनांक 14 दिसंबर, 2021 के अनुपालन में अपना पैन, केवाईसी और नामांकन विवरण केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड (यूनिट - बैंक ऑफ़ बड़ौदा), सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं. 31 व 32, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा, सेरिलिंगमपल्ली मंडल, हैदराबाद - 500032 पर हमारे रजिस्ट्रार को प्रेषित करें.

वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम दिशानिर्देशों और कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अनुपालन में ऐसे सभी शेयर, जिनसे संबंधित लाभांश पिछले सात वर्षों या उससे अधिक समय से अदत्त/ अदावी है और आईईपीएफ को ट्रांसफर कर दिया गया है, भी आईईपीएफ में ट्रांसफर किए जाने हैं. **अतः, बैंक ऐसे शेयरधारकों के जिन्होंने पिछले सात वर्षों या उससे अधिक समय से लाभांश का दावा नहीं किया है और जिसके लिए पात्र शेयरधारकों को व्यक्तिगत नोटिस जारी किए गए हैं, के अदावी शेयरों को आईईपीएफ में ट्रांसफर करने की प्रक्रिया में है.** कृपया नोट करें कि भविष्य में ऐसे शेयरों पर उपचित सभी लाभ भी आईईपीएफ प्राधिकारी के डीमैट खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे तथा आईईपीएफ को ट्रांसफर अदावी लाभांश राशि और शेयरों से संबंधित किसी भी दावे के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं होगा.

भौतिक शेयरधारकों के लिए प्रारूप/ जांचसूची बैंक https://www.bankofbaroda.in/shareholders-corner/procedure-formats-for-physical-shareholders-of-bank और केफिन https://ris.kfintech.com/clientservices/isc/default.aspx की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 18.05.2022

कृते बैंक ऑफ़ बड़ौदा
पी. के. अग्रवाल
कंपनी सचिव

24/22-23

आईटी उद्योग में खूब बढ़ रहा वेतन

शिवानी शिंदे
मुंबई, 17 मई

- उद्योग की कमोबेश सभी कंपनियां दो अंकों में बढ़ा रहीं वेतन
- इन्फोसिस 12-13 फीसदी की सालाना वेतन वृद्धि करने की योजना बना रही
- दुनिया की आईटी कंपनियां तकनीकी प्रतिभाओं पर खूब धन लुटा रहीं

देश में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा उद्योग से जुड़ी कंपनियों का कर्मचारियों पर होने वाला खर्च अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है क्योंकि वेतन में खूब बढ़ोतरी की जा रही है और प्रतिभाशाली कर्मचारियों को रोकने की हरमुमकिन कोशिश की जा रही है। मगर ऐसा भारत में ही नहीं हो रहा है, दुनिया भर की आईटी कंपनियां भी तकनीकी प्रतिभाओं पर इतना कुछ लुटा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्य अधिकारी सत्या नडेला ने कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में लिखा कि 'माइक्रोसॉफ्ट वैश्विक प्रतिभा का बजट तकरीबन दोगुना कर रही है।' गीकवायर की एक रिपोर्ट में बताया गया, 'माइक्रोसॉफ्ट वेतन में प्रतिभा के आधार पर बढ़ोतरी के लिए निर्धारित वैश्विक बजट को दोगुना करने की सोच रही है और वरिष्ठ निदेशक के स्तर पर कर्मचारियों को शेयर के रूप में मिलने वाला वार्षिक पारिश्रमिक 25 फीसदी तक बढ़ा सकती है।' कर्मचारियों को मिले ईमेल में लिखा है, 'सबसे सार्थक बढ़ोतरी उन जगहों पर होगी, जहां बाजार की मांग है और करियर शुरू करने वाले कर्मचारियों से मझोले स्तर के कर्मचारियों के लिए होगी। हम लेवल 67 और उससे नीचे के स्तरों पर वार्षिक शेयर भी 25 फीसदी बढ़ाने जा रहे हैं।' भारत में वरिष्ठ स्तर पर प्रतिभा की कमी दिख रही है, इसलिए इंजीनियरों का वेतन आसमान छू रहा है। खबरों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 27.7 फीसदी कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने के बाद इन्फोसिस औसतन 12-13 फीसदी की सालाना वेतन वृद्धि करने की योजना बना रही है और अधिक संभावना तथा प्रतिभा वाले कर्मचारियों का वेतन 22-23 फीसदी भी बढ़ाया जा सकता है।

हालांकि इन्फोसिस ने इस खबर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की मगर शीर्ष श्रेणी की कंपनियों में औसत वेतन वृद्धि सबसे ज्यादा रहेगी।

बिजनेस स्टैंडर्ड ने जिन मानव संसाधन (एचआर) विशेषज्ञों से बात की, उनका कहना है कि कंपनियां लोगों को वेतन में कम बढ़ोतरी की बात कह सकती हैं मगर वास्तव में कर्मचरियों की तनख्वाह 20 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ रही हैं। टीमलीज सर्विसेज की सह-संस्थापक और कार्यकारी उपाध्यक्ष ऋतुपर्णा चक्रवर्ती ने कहा, 'जब कंपनियां औसत वेतन वृद्धि की बात करती हैं तो उनमें वेतन पर आने वाली लागत में कुल वृद्धि बताई जाती है मगर किसी भी कर्मचारी की वास्तविक वेतन वृद्धि उससे कम या ज्यादा हो सकती है। टीमलीज की हालिया जॉब्स रिपोर्ट में पता चला है कि कर्मचारी नौकरी में प्रीमियम या सुपर-स्पेशलाइज्ड भूमिका को तरजीह दे रहे हैं और इन श्रेणियों के लिए मांग भी बढ़ती जा रही है। इस श्रेणी में वृद्धि दर इस साल 11 फीसदी से बढ़कर 12 फीसदी हो गई। स्टार्ट-अप, आईटी, ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में इस बार 11 फीसदी से अधिक वेतन वृद्धि दिखेगी।'

चक्रवर्ती को लगता है कि उद्योग के सामने इस समय प्रतिभा का अकाल है और उसकी वजह स्टार्ट-अप अथवा अन्य क्षेत्रों से आ रही मांग ही नहीं है। तकनीकी क्षेत्र में भी काफी बदलाव आया है और कुछ खास तरह के कौशल की मांग 10 गुना तक बढ़ गई है।

(शेष पृष्ठ 8 पर)